चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Times of India	14.9.22	4	1-2

HAU agri fair focuses on water crisis

Hisar: Haryana Agricultural University (HAU) vice-chancellor Professor B R Kamboj inaugurated a two-day agriculture fair at the insttitute on Tuesday. Highlighting the region's water problem, he said that there was over-exploitation of ground water in the wheat-paddy crop-cycle areas and it could lead to severe shortage of potable water soon. Lala Lajpat Rai University of Veterinary and Animal Sciences VC Dr Vinod Kumar Verma was the special guest.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	14-9-22	2	8

HAU honours 19 farmers

HISAR, SEPTEMBER 13

The Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) honoured 19 farmers of the state for their contribution in making farming a remunerative occupation by adopting innovative ideas, at the Krishi Mela, on the university campus, here today.

While addressing farmers at the event's inauguration, Vice-Chancellor Prof BR Kamboj said, "Our university has recognised their efforts in switching from traditional farming methods to modern technology and promoting crop diversification." He even talked about the importance of water conservation, and how an increasing consumption of water is resulting in overexploitation of ground water in the areas where wheat and paddy crops are grown, thereby leading to water table depletion. — TNS

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15.9.22	2	7-8

कृषि वैज्ञानिकों ने तैयार किए मसालों के पौधों के बीज

हिसार सोनाली मेथी से बढ़ेगी किसानों की कमाई

संदीप रामायण

हिसार। हिसार सोनाली मेथी किस्म की भरपूर पैदावार से हरियाणा के किसान अब अपनी आय बढ़ा सकते हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय सब्जी विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों ने हिसार सोनाली मेथी एचएम 57 की उन्नत किस्म का बीज तैयार किया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि हिसार सोनाली मेथी के पौधे सीधे व शीघ्र बढ़ते हैं। मेथी की दूसरी किस्में जैसे पूसा अर्ली बॉचिंग की तुलना में हिसार सोनाली मेथी के दाने बड़े आकार के होते हैं। वहीं, हिसार सुगंध व हिसार आनंद धनिया से करीब दो किलोमीटर का क्षेत्र महकेगा।

हरियाणा के किसानों के लिए हिसार सोनाली मेथी का बीज एचएयू हिसार में मिलेगा। मंगलवार को एचएयू में आयोजित किसान मेले में यूनिवर्सिटी के सब्जी विज्ञान विभाग ने अपनी स्टॉल लगाकर किसानों को मसालों की खेती करने व उनके नए किस्म उन्नत बीजों की जानकारी दी।

एक एकड़ में होगी 8-10 क्विंटल पैदावार : एचएयू सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. टीपी मलिक ने बताया कि हिसार सोनाली एचएम 57 किस्म की मेथी की खेती करके किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं। इस मेथी की किस्म की खेती करने के लिए एक एकड़ में चार किलो बीज की बिजाई करनी होगी। करीब तीन महीने में फसल तैयार हो जाएगी। एक एकड़ में औसतन 8-10 क्विंटल की पैदावार होगी।

दो किलोमीटर दूर तक आबोहवा को सुगंधित करेगा हिसार सुगंध किस्म का धनिया : डॉ. टीपी मलिक ने बताया कि वैज्ञानिकों ने धनिये की तीन नई उन्नत किस्में हिसार सुगंध, हिसार आनंद व हिसार भूमित धनिया तैयार की हैं। हिसार आनंद डीएच 5 धनिया के पौधों में शाखाएं अधिक निकलती हैं। यह मध्य पछेती किस्म है। इसकी पैदावार 7-8 क्विंटल प्रति एकड़ हो जाती है।उन्होंने बताया कि हिसार सुगंध डीएच 836 धनिया उन्नतशील किस्म है जिसे राष्ट्रीय स्तर पर अनुमोदित किया गया है। इसके गुच्छे बड़े, अधिक व मोटे दानों वाले होते हैं। यह किस्म 7-8 क्विंटल प्रति एकड़ उपज देती है। संवाद

मेथी की हिसार मनोहर किस्म भी तैयार की

इन किस्मों के बीज तैयार किए

हिसार सोनाली एचएम 57 मेथी, हिसार मनोहर मेथी, हिसार मेथी 273, हिसार अजवाइन 18, हिसार सौंफ 143, हिसार भूमित डीएच 228 धनिया, हिसार सुगंध धनिया, हिसार आनंद धनिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15-9-22	2	3-5

एचएयू में कृषि मेले का उद्घाटन, 10 हजार किसान पहुंचे

प्रबंधन नहीं होने से 70% सिंचाई जल हो रहा है बर्बाद : कुलपति

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। फसलों की सिंचाई के लिए पानी अति आवश्यक है, लेकिन अत्यधिक दोहन के चलते सिंचाई के अलावा अब पेयजल पर भी संकट गहरा रहा है। जल प्रबंधन न होने से करीब 70 प्रतिशत सिंचाई जल व्यर्थ बह रहा है। यह गंभीर विषय है। पानी का उचित प्रबंधन व संरक्षण करके ही आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे सुरक्षित रखा जा सकता है। यह कहना है चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज का।

वे मंगलवार को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) के उद्घाटन अवसर पर किसानों को संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि बढ़ती खपत और गेहूं धान फसल-चक्र वाले क्षेत्रों में भूजल के अति दोहन के कारण भी जल स्तर निरंतर गिरता जा रहा है। कृषि मेले में करीब 10 हजार किसान पहुंचे थे।

टपका और फव्वारा विधि अपनाएं किसान : जल संरक्षण को समय की मांग बताते हुए उन्होंने कहा

हिसार : कृषि मेले में सूक्ष्म सिंचाई के लिए लगाए प्रदर्शनी प्लांट को देखते किसान।

कि जल संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय, सिंचाई की टपका व फव्वारा विधि जैसी आधुनिक तकनीकों के साथ धान की कम अवधि में पकने वाली किस्में व बासमती किस्में उगाकर पानी का उचित प्रबंधन करने की आवश्यकता है। उन्होंने फसलों की उन्नत किस्मों के बीज की आपूर्ति का उल्लेख किया और बताया कि एचएयू की ओर से इन किस्मों का 35 हजार क्विंटल बीज किसानों को दिया जाएगा।

प्रदेश के प्रगतिशील किसान सम्मानित

कृषि मेले में सम्मानित किसान। संवाद

हिसार के गांव सलेमगढ़ से विकास वर्मा, भिवानी के गांव लोहानी से अशोक शर्मा, फतेहाबाद के गांव धौलू से राधे श्याम, सिरसा की ढाणी शेरा से रमेश भादू, नांवल के ढाणी सुदरोज से वेद प्रकाश, सोनीपत के गांव धाना खुर्द से सतेंद्र, पंचकूला के गांव उरवा से संदीप, करनाल के गांव डबरी से गुरभाज सिंह, जींद से नवीन, यमुनानगर के गांव मारवा कलां से राम प्रताप सिंह, पानीपत के इसराना से पोरस, महेंद्रगढ़ के गांव काकराला से विरेंद्र सिंह, अंबाला के गांव खतौली से आदित्य जिंदल, कैथल के गांव चौका से अमित गोयल, रोहतक के गांव मकड़ौली से राजकुमार, पलवल के गांव औरंगाबाद से राकेश कुमार, कुरुक्षेत्र के पिहोवा से प्रकाश सिंह, फरीदाबाद के गांव बहादरपुर से कुलदीप कौशिक, झज्जर के गांव जागसी से जोगिंद्र गुलिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	15-9-22	5	1-5

हकृवि में दो दिवसीय कृषि मेला शुरू

एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज व लुवास के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा तथा (दाएं) प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते हुए मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज व लुवास के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा

हिसार, 13 सितंबर (विरेंद्र वर्मा): कृषि के लिए जल एक महत्वपूर्ण संसाधन है। जल का उचित प्रबंधन व संरक्षण करके ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जल को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कृषि मेला (रबी) के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि रहे।

प्रो. काम्बोज ने कहा जल की लगातार बढ़ती खपत के चलते कृषि क्षेत्र के लिए जल की मात्रा घट रही है। गेहूं धान फसल-चक्र वाले क्षेत्रों में भू-जल के अति दोहन के कारण भी जल स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है। इसलिए कृषि के लिए जल की उपलब्धता एक मुख्य समस्या के रूप में उभरकर आ रही है। यदि प्राकृतिक संसाधनों का दोहन इसी तरह जारी रहा तो आने वाले समय में सिंचाई तो दूर की बात, लोगों को पीने के लिए स्वच्छ जल की भारी कमी हो सकती है। उन्होंने जल संरक्षण को समय की मांग बताते हुए जल संसाधनों के बेहतर प्रयोग, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय, सिंचाई की टपका व फव्वारा सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकों के साथ धान की कम अवधि में पकने वाली किस्में व बासमती किस्में उगाकर पानी का उचित प्रबंधन करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने जल के साथ किसानों से पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान देने को भी कहा और उन्हे डीजल ट्रैक्टर की अपेक्षा ई-ट्रैक्टर की ओर रूख करने का आह्वान किया। इस पर सरकार की ओर से सब्सिडी भी उपलब्ध है। उन्होंने फसलों की उन्नत किस्मों के बीज की आपूर्ति का उल्लेख किया और बताया कि हकृवि ने इन किस्मों का 35000 क्विंटल बीज किसानों को दिया जाएगा।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा जल का संरक्षण करके ही आने वाली पीढ़ियों के लिए इसको रखा जा सकता है सुरक्षित

लुवास के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने भी कृषि में जल को संरक्षित करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा जल प्रबंधन न होने से करीब 70 प्रतिशत सिंचाई जल व्यर्थ बह जा रहा है। यह बहुत ही चिंता का विषय है। उन्होंने कृषि व्यवसाय से अधिक आमदनी लेने के लिए खेती के साथ-साथ पशुपालन को अपनाए जाने पर जोर दिया। हरियाणा सरकार और लुवास द्वारा इस रोग पर नियंत्रण पाने के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं जिनके चलते प्रदेश में इस बीमारी पर नियंत्रण पा लिया गया। विस्तार शिक्षा निदेशक एवं कृषि मेला संयोजक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने अतिथियों व किसानों का स्वागत करते हुए किसानों के कल्याण के लिए विश्वविद्यालय द्वारा चलाई जा रही विस्तार गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	14.9.22	2	1-4

कृषि मेला : किसानों ने आधुनिक कृषि यंत्रों व खेती की ली जानकारी

हिसार, 13 सितम्बर (राठी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) आज से शुरू हुआ। इस मेले के पहले दिन हजारों किसानों ने वहां पर पहुंचकर आधुनिक कृषि यंत्रों और खेती के आधुनिक तरीकों बारे कृषि वैज्ञानिकों से जानकारियां ली। खास बात यह थी कि मेले में कुछ सालों से मेले में महिलाओं की तादाद बढ़ती जा रही है। इस बार भी में सैकड़ों महिलाओं ने मेले में पहुंचकर कृषि और पशुपालन की आधुनिक तकनीकों की जानकारियां हासिल की। मिट्टी-पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए अपने खेत की मिट्टी व पानी की जांच करवाई। मेले में कृषि में जल को संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

इस दो दिवसीय कृषि मेला का उद्घाटन चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किया। कार्यक्रम में लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि रहे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कृषि के लिए जल एक महत्वपूर्ण संसाधन है। जल का उचित प्रबंधन व संरक्षण करके ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जल को सुरक्षित रखा जा सकता है।

प्रो. काम्बोज ने जल संरक्षण के साथ किसानों से पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान देने को भी कहा और उन्हे डीजल ट्रैक्टर की अपेक्षा ई-ट्रैक्टर की ओर रूख करने का आह्वान किया। उन्होंने फसलों की उन्नत किस्मों के बीज की आपूर्ति का उल्लेख किया और बताया कि हकृवि ने इन किस्मों का 35000 क्विंटल बीज किसानों को दिया जाएगा।

प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज व लुवास के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा

लुवास के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने कहा भारतीय अर्थव्यवस्था में पशुधन की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह दो-तिहाई ग्रामीण समुदाय को आजीविका प्रदान करता है।

विस्तार शिक्षा निदेशक एवं कृषि मेला संयोजक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने अतिथियों व किसानों का स्वागत करते हुए किसानों के कल्याण के लिए विश्वविद्यालय द्वारा चलाई जा रही विस्तार गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. भुपेन्द्र ने किया।

अनुसंधान फार्म का किया भ्रमण

कृषि मेला में हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से भारी संख्या में किसानों ने भाग लिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण किया जहां कृषि वैज्ञानिकों ने उनके द्वारा उगाई गई खरीफ फसलों और उनके प्रयोग की गई प्रौद्योगिकियों बारे बताया। उन्हे मेले के विषय के अनुरूप कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और संरक्षण बारे उपयोगी जानकारियां दीं।

प्रगतिशील किसान सम्मानित

हकृवि की ओर से कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिला से एक प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया गया। ये किसान परंपरागत खेती से हटकर आधुनिक तकनीक से खेती कर रहे हैं।

सम्मानित होने वाले किसानों में बावल के ढाणी सुंदरोज से वेदप्रकाश, सोनीपत के गांवथाना खुर्द से सतेंद्र, पंचकुला के गांवठरवा से संदीप, करनाल के गांव डबरी से गुरबाज सिंह, जींद से नवीन, यमुनानगर के गांव मारवा कलां सेराम प्रताप सिंह, पानीपत के इसराना से पोरस, हिसार के गांव सलेमगढ़ से विकास, महेन्द्रगढ़ के गांव ककराला से विरेन्द्र सिंह, अंबाला के गांव खतौली से आदित्य जिंदल, कैथल के गांव चीका से अमित गोयल, रोहतक के गांव मयोधी से राजकुमार, मंडकोला के गांव और गांबाद से राकेश कुमार, कुरुक्षेत्र के पेहोवा से प्रकाशसिंह, भिवानी के गांव लोहानी से अशोक शर्मा, फरीदाबाद के गांव बहादरपुर से कुलदीप कौशिक, फतेहाबाद के गांव धौलू से राधेश्याम, सिरसा की ढांणी शेरा से रमेश भादू एवं झज्जर के गांव नांगली से जोगिद्र गुलिया शामिल है।.

इनमें शामिल पंचकूला के किसान संदीप कुमार 20 एकड़ में आधुनिक तरीके से खेती करते हैं। 2 साल से धान की सीधी बिजाई कर रहे हैं। गन्ना, आलू, प्याज की 20 एकड़ में खेती करते हैं। सोनीपत के सतेंद्र सिंह 2 साल से जैविक खेती कर रहे हैं। सतेंद सिंह ने बताया कि उसकी खुद की 4 एकड़ जमीन है। बाकी करीब 25 एकड़ ठेके पर लेकर खेती करते हैं।

करनाल के किसान गुरबाज सिंह विर्क 2007 से गेहूं और धान की नई किस्में ईजाद करके सीधे किसानों को बेच रहे हैं। हर साल गेहूं और बासमती की नई किस्म तैयार करके सीधे किसानों को को खेत से ही बेच रहा है। वे करनाल के पहले किसान थे, जिन्होंने हैप्पी सीडर से फसलों की बिजाई शुरू की थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	14.9.22	8	3-5

रबी कृषि मेले में जुटी किसानों की भीड़; कुलपति ने किया जागरूक, बोले

जल संरक्षण के लिए उचित प्रबंधन की जरूरत

हिसार, 13 सितंबर (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय रबी कृषि मेले कर आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व लुवास के कुलपति ने डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने संयुक्त रूप से किया। मेले में पड़ोसी राज्यों के किसानों की संख्या की भी अच्छी खासी भीड़ जुटी। कृषि मेले का थीम जल संरक्षण रखा गया है।

उद्घाटन समारोह में काम्बोज ने कहा कि कृषि के लिए जल एक महत्वपूर्ण संसाधन है। जल का उचित प्रबंधन व संरक्षण करके ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जल को सुरक्षित रखा जा सकता है। उन्होंने जल संरक्षण को समय की मांग बताते हुए जल संसाधनों के बेहतर प्रयोग, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय, सिंचाई की टपका व फव्वारा सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकों के साथ धान की कम अवधि में पकने वाली किस्में व बासमती किस्में उगाकर पानी का उचित प्रबंधन करने की आवश्यकता पर बल दिया।

हिसार में रबी कृषि मेले में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते हकृवि व लुवास के कुलपति। -निस

प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने भी कृषि में जल को संरक्षित करने की आवश्यकता जताई। इस मौके पर हकृवि द्वारा कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिला से एक प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15-9-22	4	3-7

एचएयू में कृषि मेला शुरू • पहले दिन ही किसानों की संख्या ने तोड़ा कई साल का रिकॉर्ड

71.86 हजार किसान खरीददारी और जानकारी लेने पहुंचे, पहले दिन 81 लाख के बीजों की बिक्री

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में मंगलवार से दो दिवसीय कृषि मेला शुरू हो गया। इस बार किसानों की संख्या ने पिछले कई साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। पहले ही दन करीब 71.86 हजार से अधिक किसान मेले में खरीददारी और जानकारी लेने के लिए पहुंचे। मेले में 81 लाख से अधिक के बीजों की बिक्री की गई। हरियाणा के अलावा राजस्थान, यूपी और राजस्थान के किसानों ने भी मेले का लाभ उठाया। इससे पूर्व में पहले दिन करीब 40 से 50 हजार किसान ही मेले का विजिट करते थे। इस बार महिलाओं और स्टूडेंट्स में भी क्रेज रहा। प्रदेश के सभी जिलों के प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया गया। मेले में इस बार 250 से अधिक कृषि यंत्रों, बीज और अन्य की स्टॉल भी लगाई गई थी।

मेले का शुभारंभ करते हुए एचएयू के वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि के लिए जल एक महत्वपूर्ण संसाधन है। जल का उचित प्रबंधन व संरक्षण करके ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जल को सुरक्षित रखा जा सकता है। कार्यक्रम में लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि रहे। प्रो. काम्बोज ने कहा कि जल की लगातार बढ़ती खपत के चलते कृषि क्षेत्र के लिए जल की मात्रा घट रही है। गेहूं धान फसल-चक्र वाले क्षेत्रों में भू-जल के अति दोहन के कारण भी जल स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है। उन्होंने जल संरक्षण को समय की मांग बताते हुए जल संसाधनों के बेहतर प्रयोग, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय, सिंचाई की टपका व फव्वारा सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकों के साथ धान की कम अवधि में पकने वाली किस्में व बासमती किस्में उगाकर पानी का उचित प्रबंधन करने की आवश्यकता पर बल दिया।

हिसार। एचएयू के किसान मेले से खरीदारी कर लौटते किसान।

हिसार । एचएयू के किसान मेले में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते हुए मुख्यातिथि एचएयू के वीसी प्रो. बी.आर. काम्बोज व लुवास के वीसी डॉ. विनोद कुमार वर्मा।

पहली बार ड्रोन से कराया मैदान पर पानी का छिड़काव

मेले में किसानों को खेतीबाड़ी में ड्रोन के प्रयोग के बारे में भी जानकारी दी गई। कर्मचारियों ने ड्रोन से कीटनाशक के छिड़काव के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा धूल को उड़ने से रोकने के लिए ड्रोन से ही पानी का मैदान में छिड़काव कराया गया। ड्रोन से कीटनाशक के छिड़काव के बारे में किसान जानकारी लेते नजर आए।

जल संरक्षण के बारे में अवेयर किया :

कृषि मेला में किसानों ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण किया जहां कृषि वैज्ञानिकों ने उनके द्वारा उगाई गई खरीफ फसलों और उनके प्रयोग की गई प्रौद्योगिकियों बारे बताया। उन्हें मेले के विषय के अनुरूप कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और संरक्षण बारे उपयोगी जानकारियां दीं। कृषि मेला में किसानों के आकर्षण का केन्द्र रही एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी में उन्हें हकृवि, लुवास व एमएचयू और कृषि व कृषि से संबंधित विभागों तथा प्राइवेट कंपनियों द्वारा लगाई गई स्टालों पर फसलों, सब्जियों आदि की उन्नत किस्मों, फार्म मशीनरी व यन्त्रों, रसायनिक व जैविक उर्वरकों, कीटनाशकों आदि के बारे में जानकारियां ली।

डॉ. बलवान सिंह ने अतिथियों व किसानों का स्वागत किया

कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. भूपेन्द्र ने किया। इस मौके पर हरियाणा में पाए जाने वाले मुख्य सूत्रकृमि व उनके प्रबंधन और कपास की उन्नत खेती पर एचएयू वैज्ञानिकों द्वारा लिखी गई पुस्तकें विमोचित की गई।

रबी की फसलों के बीज खरीदे

मेला स्थल पर हकृवि की ओर से स्थापित बीज बिक्री केन्द्र से किसानों ने विभिन्न रबी फसलों के बीज खरीदे। उन्होंने मिट्टी-पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए अपने खेत की मिट्टी व पानी की जांच करवाई। प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित : इस मौके पर हकृवि की ओर से कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिला से एक प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	14.9.22	9	2-6

हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से भी जुटे किसान, 35 हजार क्विंटल बीज उपलब्ध

हकृवि में दो दिवसीय कृषि मेले का आगाज

- सुबह से ही बीज खरीद केंद्रों पर लगी रही किसानों की लंबी लाइनें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार को दो दिवसीय कृषि मेले (रबी) का आगाज हुआ। मेले में हरियाणा के अलावा उत्तर भारत के अलग-अलग राज्यों से किसान बीज खरीदने के लिए पहुंचे। विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए बीज खरीद केंद्रों पर सुबह से ही बीज खरीदने के लिए किसानों की लंबी लाइनें लगी थी। हकृवि द्वारा तैयार बीजों की किसानों में मांग को देखते विवि प्रशासन ने पिछले साल 20 हजार क्विंटल बीजों के मुकाबले इस बार 35 हजार क्विंटल बीज खरीद के लिए किसानों को उपलब्ध करवाया गया है। इस दौरान मिट्टी-पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए अपने खेत की मिट्टी तथा पानी की जांच करवाई।

कुलपति ने किया उद्घाटन

इससे पूर्व हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि कृषि मेले का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में लुवास के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि रहे। कृषि मेला में किसानों के एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी में आकर्षण का केन्द्र रही। किसानों को हकृवि, लुवास व एमएचयू और कृषि व कृषि से संबंधित विभागों तथा प्राइवेट कंपनियों की लगाई स्टालों पर फसलों, सब्जियों आदि की उन्नत किस्मों, फार्म मशीनरी व यन्त्रों, रसायनिक व जैविक उर्वरकों, कीटनाशियों आदि के बारे में जानकारियां हासिल करने का अवसर मिला।

जल संरक्षण समय की मांग

मेले के उद्घाटन समारोह के अवसर पर ...

हिसार। प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज व लुवास के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा। फोटो: हरिभूमि

हिसार। बीज खरीदने के लिए बीज केंद्रों पर लगी किसानों की लंबी लाइन। फोटो: हरिभूमि

कृषि में जल को संरक्षित करना जरूरी : डॉ. वर्मा

लुवास के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने भी कृषि में जल को संरक्षित करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा जल प्रबंधन न होने से करीब 70 प्रतिशत सिंचाई जल व्यर्थ बह जा रहा है। यह बहुत ही चिंता का विषय है। उन्होंने कृषि व्यवसाय से अधिक आमदनी लेने के लिए खेती के साथ-साथ पशुपालन को अपनाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा भारतीय अर्थव्यवस्था में पशुधन की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह दो-तिहाई ग्रामीण समुदाय को आजीविका प्रदान करता है। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में गाय में फैल रहे लम्पी स्किन रोग का उल्लेख करते हुए पशुपालकों से कहा कि उनको अपने गोप पशुओं को इस रोग से बचाने के सभी उपाय व सावधानियां अपनानी चाहिए।

लिए जल एक महत्वपूर्ण संसाधन है। जल का उचित प्रबंधन व संरक्षण करके ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जल को सुरक्षित रखा जा सकता है। जल की लगातार बढ़ती खपत के चलते कृषि क्षेत्र के लिए जल की मात्रा ...

स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है। इसलिए कृषि के लिए जल की उपलब्धता एक मुख्य समस्या के रूप में उभरकर आ रही है। यदि प्राकृतिक संसाधनों का दोहन इसी तरह जारी रहा तो आने वाले समय में सिंचाई तो दूर की ...

को समय की मांग बताते हुए जल संसाधनों के बेहतर प्रयोग, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय, सिंचाई की टपका व फव्वारा सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकों के साथ धान की कम अवधि में पकने वाली किस्में व ...

प्रगतिशील किसानों को किया गया सम्मानित

इस मौके पर हकृवि की ओर से कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिला से एक प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया गया। इस दौरान हकृवि से जुड़कर कृषि क्षेत्र में अपना नाम रोशन करने वाले प्रदेश के प्रगतिशील किसानों की ओर से लगाई गई स्टाल भी आगंतुकों के आकर्षण का केन्द्र बनी। इस मौके पर हरियाणा में पाए जाने वाले मुख्य सूत्रकृमि व उनके प्रबंधन और कपास की उन्नत खेती पर हकृवि वैज्ञानिकों द्वारा लिखी गई पुस्तकें विमोचित की गई। विस्तार शिक्षा निदेशक एवं कृषि मेला संयोजक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने अतिथियों व किसानों का स्वागत करते हुए किसानों के कल्याण के लिए विश्वविद्यालय द्वारा चलाई जा रही विस्तार गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

किसानों ने अनुसंधान फार्म का किया भ्रमण

कृषि मेला में हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से भारी संख्या में किसानों ने भाग लिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण किया जहां कृषि वैज्ञानिकों ने उनके द्वारा उगाई गई खरीफ फसलों और उनके प्रयोग की गई प्रौद्योगिकियों बारे बताया। उन्हें मेले के विषय के अनुरूप कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और संरक्षण बारे उपयोगी जानकारियां दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
[illegible]	13-9-22	4	1-5

कृषि मेला : किसानों ने ली फसलों, सब्जियों की उन्नत किस्मों, फार्म मशीनरी व यन्त्रों, रसायनिक व जैविक उर्वरकों, कीटनाशियों की जानकारी

हिसार। कृषि के लिए जल एक महत्वपूर्ण संसाधन है। जल का उचित प्रबंधन व संरक्षण करके ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जल को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कृषि मेला (रबी) के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। कार्यक्रम में लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि रहे। [illegible]

भारी संख्या में जुटे किसान

कृषि मेला में हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से किसानों ने भाग लिया। [illegible]

किसानों ने खरीदे रबी फसलों के बीज

[illegible]

प्रगतिशील किसानों को किया गया सम्मानित

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	14-9-22	2	1-3

हरियाणा

एचएयू में किसान मेला • एमएचयू ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेजिटेबल रिसर्च वाराणसी के सहयोग से तैयार की किस्में

नई किस्में: 7 इंच लंबी लाल भिंडी एनर्जी व लोबिया की फली प्रोटीन से भरपूर

लाल भिंडी और लोबिया की किस्म को देखने उमड़े किसान

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	14-9-22	4	3-8

घर में हो औषधीय बगीचा, अच्छी सेहत के लिए मोटा अनाज खाएं

एचएयू में दो दिवसीय कृषि मेले को किसानों के लिए ही नहीं बल्कि शहरवासियों के लिए भी विज्ञानी लेकर आए बेहतर जानकारी

गेहूं से एलर्जी होने के बाद भी खा सकेंगे बिस्किट, एचएयू ने बनाए ग्लूटेन फ्री बिस्किट

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	[illegible]	4	1-5

नई तकनीक के साथ किया कदमताल और बन गए प्रगतिशील किसान

छिड़काव से सिंचाई करने पर पानी, समय और पैसों की होगी बचत

ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त रखें

लंपी बीमारी पर नियंत्रण पाने का कर रहे प्रयास : डॉ. विनोद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	13.09.2022	--	--

हकृवि में दो दिवसीय कृषि मेला शुरू, हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से बड़ी संख्या में जुटे किसान

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 13 सितम्बर : कृषि के लिए जल एक महत्वपूर्ण संसाधन है। जल का उचित प्रबंधन व संरक्षण करके ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जल को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कृषि मेला (रबी) के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि रहे। मेला स्थल पर हकृवि की ओर से स्थापित किए गए बीज बिक्री केन्द्र से किसानों ने भारी मात्रा में विभिन्न रबी फसलों के बीज खरीदे। उन्होंने मिट्टी-पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए अपने खेत की मिट्टी व पानी की जांच करवाई। इस मौके पर हकृवि की ओर से कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिला से एक प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया गया। प्रो. काम्बोज ने कहा जल की लगातार बढ़ती खपत के चलते कृषि क्षेत्र के लिए जल की मात्रा घट रही है। गेहूं धान फसल-चक्र वाले क्षेत्रों में भू-जल के अति दोहन के कारण भी जल स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है। इसलिए कृषि के लिए जल की उपलब्धता एक मुख्य समस्या के रूप में उभरकर आ रही है। यदि प्राकृतिक संसाधनों का दोहन इसी तरह जारी रहा तो आने वाले समय में सिंचाई तो दूर की बात, लोगों को पीने के लिए स्वच्छ जल की भारी कमी हो सकती है। उन्होंने जल संरक्षण को समय की मांग बताते हुए जल संसाधनों के बेहतर प्रयोग, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय, सिंचाई की टपका व फव्वारा सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकों के साथ धान की कम अवधि में पकने वाली किस्में व बासमती किस्में उगाकर पानी का उचित प्रबंधन करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा प्राकृतिक संसाधनों के अत्याधिक दोहन से बचने के लिए विभिन्न पारिस्थितिक योजनाओं जैसे मेरा पानी मेरी विरासत, हर खेत स्वच्छ खेत और फसल विविधिकरण, जल संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ मिट्टी की उर्वरता, जल संसाधनों और जैव विविधता को बढ़ाने पर कार्य करने की जरूरत है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	13.09.2022	--	--

हकृवि में दो दिवसीय कृषि मेला शुरू, हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से जुटे किसान

समस्त हरियाणा ब्यूरो

हिसार। कृषि के लिए जल एक महत्वपूर्ण संसाधन है। जल का उचित प्रबंधन व संरक्षण करके ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जल को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कृषि मेला (रबी) के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि रहे। प्रो. काम्बोज ने कहा जल की लगातार बढ़ती खपत के चलते कृषि क्षेत्र के लिए जल की मात्रा घट रही है। गेहूं धान फसल-चक्र वाले क्षेत्रों में भू-जल के अति दोहन के कारण भी जल स्तर निरंतर गिरता जा रहा है। इसलिए कृषि के लिए जल की उपलब्धता एक मुख्य समस्या के रूप में उभरकर आ रही है। यदि प्राकृतिक संसाधनों का दोहन इसी तरह जारी रहा तो आने वाले समय में सिंचाई तो दूर की बात, लोगों को पीने के लिए स्वच्छ जल की भारी कमी हो सकती है। उन्होंने जल संरक्षण को समय की मांग बताते हुए जल संसाधनों के बेहतर प्रयोग, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय, सिंचाई की टपका व फव्वारा सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकों के साथ धान की कम अवधि में पकने वाली किस्में व बासमती किस्में उगाकर पानी का उचित प्रबंधन करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन से बचने के लिए विभिन्न पारिस्थितिक योजनाओं जैसे मेरा पानी मेरी विरासत, हर खेत स्वस्थ खेत और फसल विविधिकरण, जल संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ मिट्टी की उर्वरता, जल संसाधनों और जैव विविधता को बढ़ाने पर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने जल के साथ किसानों से पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान देने को भी कहा और उन्हें डीजल ट्रैक्टर की अपेक्षा ई-ट्रैक्टर की ओर रुख करने का आह्वान किया। इस पर सरकार की ओर से सब्सिडी भी उपलब्ध है। उन्होंने फसलों की उन्नत किस्मों के बीज की आपूर्ति का उल्लेख किया और बताया कि हकृवि ने इन किस्मों का 35000 क्विंटल बीज किसानों को दिया जाएगा। लुवास के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने भी कृषि में जल को संरक्षित करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा जल प्रबंधन न होने से करीब 70 प्रतिशत सिंचाई जल व्यर्थ बह जा रहा है। यह बहुत ही चिंता का विषय है। उन्होंने कृषि व्यवसाय से अधिक आमदनी लेने के लिए खेती के साथ-साथ पशुपालन को अपनाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा भारतीय अर्थव्यवस्था में पशुधन की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह दो-तिहाई ग्रामीण समुदाय को आजीविका प्रदान करता है। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में गाय में फैल रहे लम्पी स्किन रोग का उल्लेख करते हुए पशुपालकों से कहा कि उनको अपने गोवंश पशुओं को इस रोग से बचाने के सभी उपाय व सावधानियां अपनानी चाहिए। हरियाणा सरकार और लुवास द्वारा इस रोग पर नियंत्रण पाने के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं जिनके चलते प्रदेश में इस

बीमारी पर नियंत्रण पा लिया गया। विस्तार शिक्षा निदेशक एवं कृषि मेला संयोजक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने अतिथियों व किसानों का स्वागत करते हुए किसानों के कल्याण के लिए विश्वविद्यालय द्वारा चलाई जा रही विस्तार गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. भूपेन्द्र ने किया। इस मौके पर हरियाणा में पाए जाने वाली मुख्य मृदाकृमि व उनके प्रबंधन और कपास की उन्नत खेती पर हकृवि वैज्ञानिकों द्वारा लिखी गई पुस्तकें विमोचित की गईं।

भारी संख्या में जुटे किसान

कृषि मेला में हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से भारी संख्या में किसानों ने भाग लिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण किया जहां कृषि वैज्ञानिकों ने उनके द्वारा उगाई गई खरीफ फसलों और उनके प्रयोग की गई प्रौद्योगिकियों बारे बताया। उन्हें मेले के विषय के अनुरूप कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और संरक्षण बारे उपयोगी जानकारियां दीं। कृषि मेला में किसानों के आकर्षण का केन्द्र रही एग्रो-इण्डस्ट्रियल प्रदर्शनी में उन्हें हकृवि, लुवास व एमएचयू और कृषि व कृषि से संबंधित विभागों तथा प्राइवेट कंपनियों द्वारा लगाई गई स्टालों पर फसलों, सब्जियों आदि की उन्नत किस्मों, फार्म मशीनरी व खादों, रासायनिक व जैविक उर्वरकों, कीटनाशियों आदि के बारे में जानकारियां हासिल करने का अवसर मिला। इस दौरान हकृवि से जुड़कर कृषि क्षेत्र में अपना नाम रोशन करने वाले प्रदेश के प्रगतिशील किसानों की ओर से लगाई गई स्टाल भी आगंतुकों के आकर्षण का केन्द्र बनी।

किसानों ने खरीदे रबी फसलों के बीज

मेला स्थल पर हकृवि की ओर से बीज बिक्री केन्द्र से किसानों ने विभिन्न रबी फसलों के बीज खरीदे। उन्होंने मिट्टी-पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए अपने खेत की मिट्टी व पानी की जांच करवाई। इस मौके पर हकृवि की ओर से कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिला से एक प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	13.09.2022	--	--

हकृवि के कृषि मेले में काफी संख्या में पहुंचे धरतीपुत्र

हकृवि कुलपति प्रो. काम्बोज व लुवास कुलपति डॉ. वर्मा ने किया मेले का शुभारंभ

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। कृषि के लिए जल एक महत्वपूर्ण संसाधन है। जल का उचित प्रबंधन व संरक्षण करके ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जल को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कृषि मेला (रबी) के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि रहे। प्रो. काम्बोज ने कहा जल की लगातार बढ़ती खपत के चलते कृषि क्षेत्र के लिए जल की मात्रा घट रही है। गेहूं धान फसल-चक्र वाले क्षेत्रों में भू-जल के अति दोहन के कारण भी जल स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है। इसलिए कृषि के लिए जल की उपलब्धता एक मुख्य समस्या के रूप में उभरकर आ रही है। यदि प्राकृतिक संसाधनों का दोहन इसी तरह जारी रहा तो आने वाले समय में सिंचाई तो दूर की बात, लोगों को पीने के लिए स्वच्छ जल की भारी कमी हो सकती है।

लुवास के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने भी कृषि में जल को संरक्षित करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा जल प्रबंधन न होने से करीब 70 प्रतिशत सिंचाई जल व्यर्थ बह जा रहा है। यह बहुत ही चिंता का विषय है। उन्होंने कृषि व्यवसाय से अधिक आमदनी लेने के लिए खेती के साथ-साथ पशुपालन को अपनाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा भारतीय अर्थव्यवस्था में पशुधन की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह दो-तिहाई ग्रामीण समुदाय को आजीविका प्रदान करता है। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में गाय में फैल रहे लम्पी स्किन रोग का उल्लेख करते हुए पशुपालकों से कहा कि उनको अपने गोप पशुओं को इस रोग से बचाने के सभी उपाय व सावधानियां अपनानी चाहिए।

विस्तार शिक्षा निदेशक एवं कृषि मेला संयोजक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने अतिथियों व किसानों का स्वागत करते हुए किसानों के कल्याण के लिए विश्वविद्यालय द्वारा चलाई जा रही विस्तार गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. भुपेन्द्र ने किया। इस मौके पर हरियाणा में पाए जाने वाले मुख्य सूत्रकृमि व उनके प्रबंधन और कपास की उन्नत खेती पर हकृवि वैज्ञानिकों द्वारा लिखी गई पुस्तकें विमोचित की गई।

भारी संख्या में जुटे किसान : कृषि मेला में हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से भारी संख्या में किसानों ने भाग लिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण किया जहां कृषि वैज्ञानिकों ने उनके द्वारा उगाई गई खरीफ फसलों और उनके प्रयोग की गई प्रौद्योगिकियों बारे बताया। उन्हे मेले के विषय के अनुरूप कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और संरक्षण बारे उपयोगी जानकारियां दीं।

किसानों ने खरीदे रबी फसलों के बीज : मेला स्थल पर हकृवि की ओर से स्थापित किए गए बीज बिक्री केन्द्र से किसानों ने भारी मात्रा में विभिन्न रबी फसलों के बीज खरीदे। उन्होंने मिट्टी-पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए अपने खेत की मिट्टी व पानी की जांच करवाई।

प्रगतिशील किसानों को किया गया सम्मानित : इस मौके पर हकृवि की ओर से कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिला से एक प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	13.09.2022	--	--

हकृवि में दो दिवसीय कृषि मेला शुरू, हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से भारी संख्या में जुटे किसान

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। कृषि के लिए जल एक महत्वपूर्ण संसाधन है। जल का उचित प्रबंधन व संरक्षण करके ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जल को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे कृषि मेला (रबी) के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

प्रो. काम्बोज ने कहा जल की लगातार बढ़ती खपत के चलते कृषि क्षेत्र के लिए जल की मात्रा घट रही है। गेहूं धान फसल-चक्र वाले क्षेत्रों में भू-जल के अति दोहन के कारण भी जल स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है। इसलिए कृषि के लिए जल की उपलब्धता एक मुख्य समस्या के रूप में उभरकर आ रही है। यदि प्राकृतिक संसाधनों का दोहन इसी तरह जारी रहा तो आने वाले समय में सिंचाई तो दूर की बात, लोगों को पीने के लिए स्वच्छ जल की भारी कमी हो सकती है।

लुवास के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने भी कृषि में जल को संरक्षित करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा जल प्रबंधन न होने से करीब 70 प्रतिशत सिंचाई जल व्यर्थ बह जा रहा है। यह बहुत ही चिंता का विषय है। उन्होंने कृषि व्यवसाय से अधिक आमदनी लेने के लिए खेती के साथ-साथ पशुपालन को अपनाए जाने पर जोर दिया। विस्तार शिक्षा निदेशक एवं कृषि मेला संयोजक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने किसानों के कल्याण के लिए विश्वविद्यालय द्वारा चलाई जा रही विस्तार गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर हरियाणा में पाए जाने वाले मुख्य सूत्रकृमि व उनके प्रबंधन और कपास की उन्नत खेती पर हकृवि वैज्ञानिकों द्वारा लिखी गई पुस्तकें विमोचित की गई।

किसानों ने खरीदे बीज व मिट्टी-पानी की करवाई जांच

कृषि मेला में हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से भारी संख्या में किसानों ने भाग लिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण किया जहां कृषि वैज्ञानिकों ने उनके द्वारा उगाई गई खरीफ फसलों और उनके प्रयोग की गई प्रौद्योगिकियों बारे बताया। उन्हें मेले के विषय के अनुरूप कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और संरक्षण बारे उपयोगी जानकारियां दी। मेला स्थल पर हकृवि की ओर से स्थापित किए गए बीज बिक्री केन्द्र से किसानों ने भारी मात्रा में विभिन्न रबी फसलों के बीज खरीदे। उन्होंने मिट्टी-पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए अपने खेत की मिट्टी व पानी की जांच करवाई। इस मौके पर हकृवि की ओर से कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिला से एक प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	14.09.2022	--	--

विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कृषि मेला में अधिकारीगण व उपस्थिति को सम्बोधित करते मुख्यातिथि।

हकृवि में 2 दिवसीय कृषि मेला शुरू

- कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा जल का संरक्षण करके ही आने वाली पीढ़ियों के लिए इसको रखा जा सकता है सुरक्षित
- हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से भारी संख्या में जुटे किसान

प्रवीन कुमार

हिसार। कृषि के लिए जल एक महत्वपूर्ण संसाधन है। जल का उचित प्रबंधन व संरक्षण करके ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जल को सुरक्षित रखा जा सकता है।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कृषि मेला (रबी) के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि रहे।

प्रो. काम्बोज ने कहा जल की लगातार बढ़ती खपत के चलते कृषि क्षेत्र के लिए जल की मात्रा घट रही है। गेहूं धान फसल-चक्र वाले क्षेत्रों में भू-जल के अति दोहन के कारण भी जल स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है। इसलिए कृषि के लिए जल की उपलब्धता एक मुख्य समस्या के रूप में उभरकर आ रही है। यदि प्राकृतिक संसाधनों का दोहन इसी तरह जारी रहा तो आने वाले समय में सिंचाई तो दूर की बात, लोगों को पीने के लिए स्वच्छ जल की भारी कमी हो सकती है। उन्होंने जल संरक्षण की जरूरत पर बल देते हुए जल संसाधनों के बेहतर प्रयोग, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय, सिंचाई की टपका व फव्वारा सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकों के साथ धान की कम अवधि में पकने वाली किस्मों व बासमती किस्में उगाकर पानी का उचित प्रबंधन करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन से बचने के लिए विभिन्न पारिस्थितिक योजनाओं जैसे मेरा पानी मेरी विरासत, हर खेत स्वस्थ खेत और फसल विविधीकरण, जल संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ मिट्टी की उर्वरता, जल संसाधनों और जैव विविधता को बढ़ाने पर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने जल के साथ किसानों से पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान देने को भी कहा और उन्हें डीजल ट्रैक्टर की अपेक्षा ई-ट्रैक्टर की ओर रुख करने का आह्वान किया। इस पर सरकार की ओर से सब्सिडी भी उपलब्ध है। उन्होंने फसलों की उन्नत किस्मों के बीज की आपूर्ति का उल्लेख किया और बताया कि हकृवि ने इस मेले का 35000 क्विंटल बीज किसानों को दिया जाएगा।

लुवास के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने भी कृषि में जल को संरक्षित करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा जल प्रबंधन न होने से करीब 70 प्रतिशत सिंचाई जल व्यर्थ बह जा रहा है। यह बहुत ही चिंता का विषय है। उन्होंने कृषि व्यवसाय में अधिक आमदनी लेने के लिए खेती के साथ-साथ पशुपालन को अपनाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा भारतीय अर्थव्यवस्था में पशुधन की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह दो-तिहाई ग्रामीण समुदाय को आजीविका प्रदान करता है। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में पशु में फैल रही लम्पी स्किन रोग का उल्लेख करते हुए पशुपालकों से कहा कि उनको अपने पशुओं को इस रोग से बचाने के सभी उपाय व सावधानियां अपनानी चाहिए। हरियाणा सरकार और लुवास द्वारा इस रोग पर नियंत्रण पाने के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं जिनके चलते प्रदेश में इस बीमारी पर नियंत्रण पा लिया गया। विस्तार शिक्षा निदेशक एवं कृषि मेला संयोजक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने अतिथियों व किसानों का स्वागत करते हुए किसानों के कल्याण के लिए विश्वविद्यालय द्वारा चलाई जा रही विस्तार गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच का संचालन डॉ. भूपेन्द्र ने किया। इस मौके पर हरियाणा में पाए जाने वाले मुख्य खरपतवार व उनके प्रबंधन और फसलों की उन्नत खेती पर हकृवि वैज्ञानिकों द्वारा लिखी गई पुस्तकें विमोचित की गईं।

भारी संख्या में जुटे किसान

कृषि मेला में हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से भारी संख्या में किसानों ने भाग लिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण किया जहां कृषि वैज्ञानिकों ने उनके द्वारा उगाई गईं खरीफ फसलों और उनके प्रयोग की गई प्रौद्योगिकियों को बताया। इस मेले के विषय के अनुरूप कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और संरक्षण की उन्होंने जानकारियां लीं। कृषि मेला में किसानों के आकर्षण का केन्द्र रही एग्री-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी में उन्हें हकृवि, लुवास व एचएयू और कृषि व कृषि से संबंधित विभागों तथा प्राइवेट कंपनियों द्वारा लगाई गई स्टालों पर फसलों, सब्जियों आदि की उन्नत किस्मों, फार्म मशीनरी व यंत्रों, रासायनिक व जैविक उर्वरकों, कीटनाशकों आदि के बारे में जानकारियां हासिल करने का अवसर मिला। इस दौरान हकृवि से जुड़कर कृषि क्षेत्र में अपना नाम रोशन करने वाले प्रदेश के प्रगतिशील किसानों की ओर से लगाई गई स्टाल भी आगंतुकों के आकर्षण का केन्द्र रही।

किसानों ने खरीदे रबी फसलों के बीज

मेला स्थल पर हकृवि की ओर से स्थापित बिक्री केन्द्र से किसानों ने भारी मात्रा में विभिन्न रबी फसलों के बीज खरीदे। उन्होंने मिट्टी-पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए अपने खेत की मिट्टी व पानी की जांच करवाई।

प्रगतिशील किसानों को किया गया सम्मानित

इस मौके पर हकृवि की ओर से कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिले से एक प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनी हिसार	14.09.2022	--	--

हकृवि में दो दिवसीय कृषि मेला शुरू, हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से भारी संख्या में जुटे किसान

हिसार: कृषि के लिए जल एक महत्वपूर्ण संसाधन है। जल का उचित प्रबंधन व संरक्षण करके ही आने वाली पीढ़ियों के लिए जल को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कृषि मेला (रबी) के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा विशिष्ट अतिथि रहे।

प्रो. काम्बोज ने कहा जल की लगातार बढ़ती खपत के चलते कृषि क्षेत्र के लिए जल की मात्रा घट रही है। गेहूं धान फसल-चक्र वाले क्षेत्रों में भू-जल के अति दोहन के कारण भी जल स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है। इसलिए कृषि के लिए जल की उपलब्धता एक मुख्य समस्या के रूप में उभरकर आ रही है। यदि प्राकृतिक संसाधनों का दोहन इसी तरह जारी रहा तो आने वाले समय में सिंचाई तो दूर की बात, लोगों को पीने के लिए स्वच्छ जल की भारी कमी हो सकती है। उन्होंने जल संरक्षण को समय की मांग बताते हुए जल संसाधनों के बेहतर प्रयोग, वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचय, सिंचाई की टपका व फव्वारा सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीकों के साथ धान की कम अवधि में पकने वाली किस्में व बासमती किस्में उगाकर पानी का उचित प्रबंधन करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन से बचने के लिए विभिन्न पारिस्थितिक योजनाओं जैसे मेरा पानी मेरी विरासत, हर खेत स्वस्थ खेत और फसल विविधिकरण, जल संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ मिट्टी की

उर्वरता, जल संसाधनों और जैव विविधता को बढ़ाने पर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने जल के साथ किसानों से पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान देने को भी कहा और उन्हें डीजल ट्रैक्टर की अपेक्षा ई-ट्रैक्टर की ओर रूख करने का आह्वान किया। इस पर सरकार की ओर से सब्सिडी भी उपलब्ध है। उन्होंने फसलों की उन्नत किस्मों के बीज की आपूर्ति का उल्लेख किया और बताया कि हकृवि ने इन किस्मों का 35000 क्विंटल बीज किसानों को दिया जाएगा।

लुवास के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा ने भी कृषि में जल को संरक्षित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा जल प्रबंधन न होने से करीब 70 प्रतिशत सिंचाई जल व्यर्थ बह जा रहा है। यह बहुत ही चिंता का विषय है। उन्होंने कृषि व्यवसाय से अधिक आमदनी लेने के लिए खेती के साथ-साथ पशुपालन को अपनाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा भारतीय अर्थव्यवस्था में पशुधन की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह दो-तिहाई ग्रामीण समुदाय को आजीविका प्रदान करता है। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में गाय में फैल रहे लम्पी स्किन रोग का उल्लेख करते हुए पशुपालकों से कहा कि उनको अपने गोव पशुओं को इस रोग से बचाने के सभी उपाय व सावधानियां अपनानी चाहिए। हरियाणा सरकार और लुवास द्वारा इस रोग पर नियंत्रण पाने के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं जिनके चलते प्रदेश में इस बीमारी पर नियंत्रण पा लिया गया।

भारी संख्या में जुटे किसान

कृषि मेला में हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से भारी संख्या में किसानों ने भाग लिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भ्रमण किया जहां कृषि वैज्ञानिकों ने उनके द्वारा उगाई गई खरीफ फसलों और उनके प्रयोग

प्रगतिशील किसानों को किया गया सम्मानित: इस मौके पर हकृवि की ओर से कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिला से एक प्रगतिशील किसान को सम्मानित किया गया।

की गई प्रौद्योगिकियों बारे बताया। उन्हें मेले के विषय के अनुरूप कृषि में सिंचाई जल के प्रबंधन और संरक्षण बारे उपयोगी जानकारियां दीं। कृषि मेला में किसानों के आकर्षण का केन्द्र रही एग्री-इण्डस्ट्रियल प्रदर्शनी में उन्हें हकृवि, लुवास व एमएचयू और कृषि व कृषि से संबंधित विभागों तथा प्राइवेट कंपनियों द्वारा लगाई गई स्टालों पर फसलों, सब्जियों आदि की उन्नत किस्मों, फार्म मशीनरी व यन्त्रों, रासायनिक व जैविक उर्वरकों, कीटनाशियों आदि के बारे में जानकारियां हासिल करने का अवसर मिला। **किसानों ने खरीदे रबी फसलों के बीज** मेला स्थल पर हकृवि की ओर से स्थापित किए गए बीज बिक्री केन्द्र से किसानों ने भारी मात्रा में विभिन्न रबी फसलों के बीज खरीदे। उन्होंने मिट्टी-पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए अपने खेत की मिट्टी व पानी की जांच करवाई।